रूमेटॉयड अर्थराइटिस के लक्षण, कारण और घरेलु आयुर्वेदिक दवा, जड़ी बूटी से इलाज

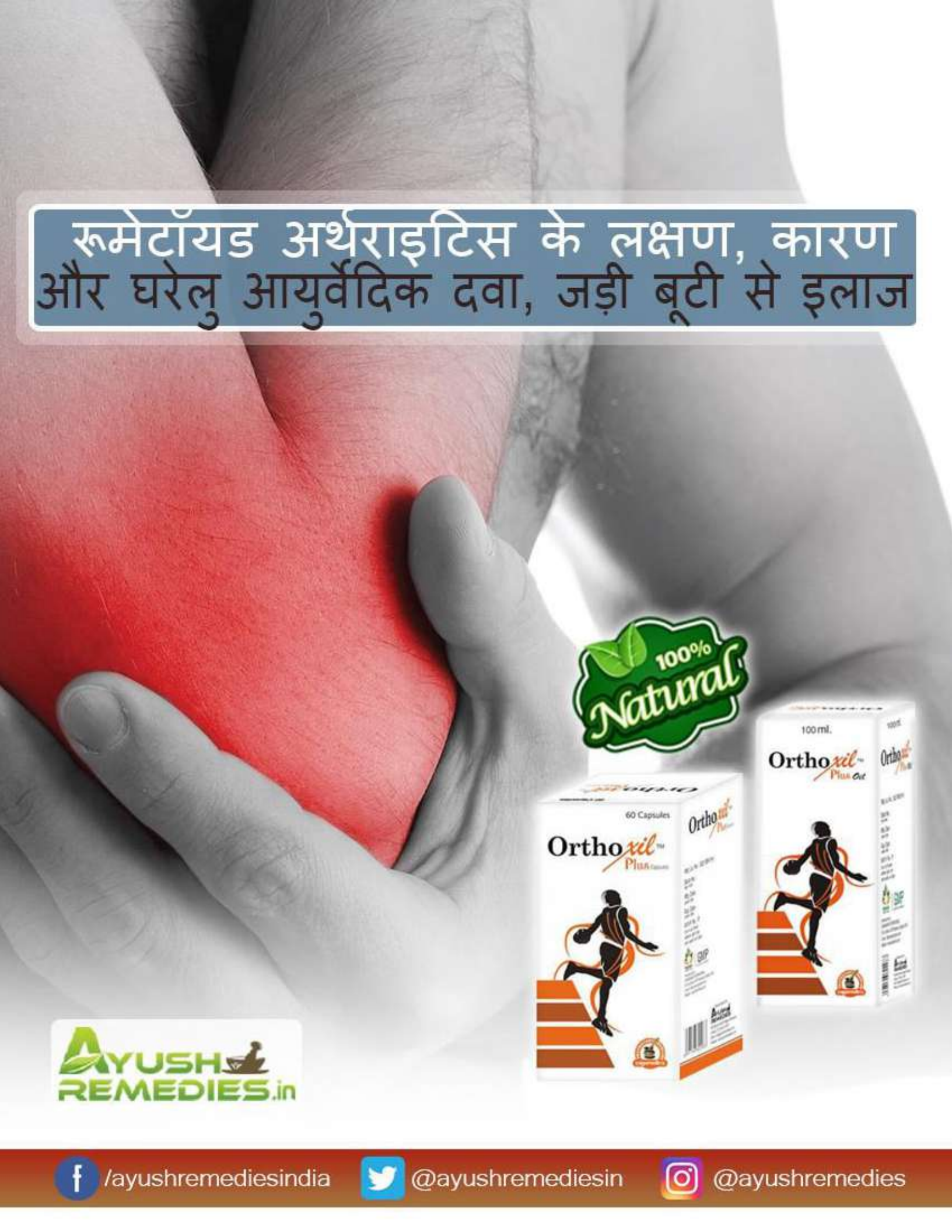

AYUSH REMEDIES.in

/ayushremediesindia @ayushremediesin @ayushremedies

रूमेटॉयड अर्थराइटिस क्या है, लक्षण, कारण –

आमतौर पर अर्थराइटिस 50 या उससे अधिक वर्ष की आयु में होता है जिसमे घुटनो व जोड़ो में दर्द निरंतर बढ़ता ही चला जाता है | जोड़ो में सूजन व दर्द के कारण कार्य करने की क्षमता कम हो जाती है और इससे रोगी की जीवनशैली पर काफी प्रभाव पड़ता है और वह चलने-फिरने में असमर्थ हो जाता है | अर्थराइटिस कई प्रकार के होते है लेकिन इसमें सबसे आम है रूमेटॉयड अर्थराइटिस | यह रोग शरीर के किसी भी हिस्से के जोड़ को प्रभावित कर सकते है और इसका दर्द अधिकतर घुटनो में, गर्दन में, कंधो में, हाथ-पैरो में, कमर में आदि शरीर के अंगो में दर्द देखने को मिलता है |

रूमेटॉयड अर्थराइटिस के लक्षण व्यक्ति के शरीर में देखने को मिलते है जैसे: जोड़ो में जकड़न का आना, बुखार का आना-जाना, भूख कम लगना और भूख कम होने के कारण वजन घटना ये सब शुरुआती लक्षण है | सेहत वाले आहार को ना लेकर हम उन आहारों को ग्रहण करते है जो ज्यादा मिर्च-मसाले के बने होते है | खाना खाने के बाद हम थोड़ा सा भी ना टहलने और कसरत ना करने के कारण भी रूमेटॉयड अर्थराइटिस रोग होने का खतरा बना रहता है | रूमेटॉयड अर्थराइटिस की आयुर्वेदिक दवा चिकित्सक सलाह के बाद ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल्स और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल लेना शुरू कर दे |

इस दवा से रूमेटॉयड अर्थराइटिस का जड़ी बूटी से इलाज होना और दर्द में होने वाले प्रभावों से बचा जा सकता है | रूमेटॉयड अर्थराइटिस का उपचार सही समय पर होना बहुत जरुरी है वरना ये रोग एक गंभीर रूप ले लेता है और इसमें रोगी को भयंकर वाली पीड़ा होती है जिसके कारण वह चलने फिरने में असमर्थ हो जाता है |

ऑर्थॉक्सिल प्लस कैप्सूल्स और ऑर्थॉक्सिल प्लस ऑयल की सामग्री –

ऑर्थॉक्सिल प्लस कैप्सूल्स की सामग्री है पीपलामूल, रीगनी, गोदन्ती हरताल भस्म, चोपचीनी, अस्थिसंहार, अश्वगंधा, सुरंजन, गुग्गुल, स्वरण बंग भस्म, रामयफल, एलोवेरा, नागाभस्म, रसना, केसर से तैयार होता है | जो आपकी थकान मिटाये और शरीर को चुस्त-दरुस्त बनाये |

ऑर्थॉक्सिल प्लस ऑयल बना है लॉन्ग ऑयल, जायफल ऑयल, गंधपत्री ऑयल, गन्धपूर्ण ऑयल, पेपरमिंट ऑयल, तारपीन ऑयल, कपूर ऑयल, अरंड ऑयल, बुलेलु ऑयल, पीपलामूल, अश्वगंधा, रसना, नागकेसर, अरंड, निर्गुन्डी, गुग्गुल, हल्दी, अकरकरा और अस्थिसंहार से | यह ऑयल आप जोड़ो, कमर, बदन दर्द, कंधो, हाथ-पेरो एवं घुटनो के दर्द में लगा सकते है |

भारत में ओर्थॉक्सिल प्लस कैप्सूल और ऑर्थॉक्सिल प्लस ऑयल कैसे खरीदें?

आप भारत में प्रतिष्ठित ऑनलाइन हर्बल स्टोर जैसे आयुष रेमेडीज डॉट इन से ऑर्थॉक्सिल प्लस कैप्सूल और ओर्थॉक्सिल प्लस ऑयल खरीद सकते हैं और वह भी भारतीय रुपयों में । इन हर्बल उपचारों को आप घर बैठे मंगवा सकते है |

भारत में ऑर्थॉक्सिल प्लस कैप्सूल और ओर्थॉक्सिल प्लस ऑयल खरीदने के लिए ऑनलाइन भुगतान और साथ ही सीओडी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ग्राहक की गोपनीयता की रक्षा के लिए ऑर्थॉक्सिल प्लस कैप्सूल्स विचारशील पैकेजिंग में उपलब्ध है | भारतीय ग्राहक इस हर्बल पूरक को 3 से 5 व्यावसायिक दिनों में सीधे अपने दरवाजे पर प्राप्त कर सकते है |

भारत में ऑर्थोक्सील प्लस कैप्सूल और ऑयल –

गठिया रोग के आयुर्वेदिक उपचार की अधिक जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट AyushRemedies.in पर जाये |